Schussler gave only a few general indications for the use of these salts but the provings earlier and later have given better and well defined indications for their use and extended the field of their applications in sickness. Today, almost all salts form part of Homoeopathy Materia Medica. The question of taking any step by Government in this matter does not arise as no harm is done to the interest of the country and the science.

'हिन्डालको' में एल्यूमीनियम का उत्पादन

10025. डा० महादीपक सिंह शाक्य : क्या इस्पात और खान मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि क्या सरकार 'हिन्डालको' द्वारा वर्ष 1975-76, 1976-77 और 1977-78 में किए गए एल्यूमीनियम के कुल उत्पादन तथा उसमें से सरकार को दिए गए एल्युमिनियम की प्रतिशतता दर्शाने वाला एक विवरण सभा-पटल पर रखेगी ?

इस्पात और खान मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री करिया मुण्डा) : 'हिन्डालको' में 1975–76, 1976–77 और 1977–78 को एल्युमिनियम का कुल उत्पादन निम्नलिखित था :—

	(टनों में)
1975–76 . .	66,956
1976–77 . .	86,998
1977–78 . .	62,119

जुलाई, 1975 से 'हिन्डालको' सभी एल्युमिनियम उत्पादकों से सरकार ने यह अपेक्षा की है कि वे अपने कुल उत्पादन का 50% भाग 'लेवी धातु' के रूप में बिजली पारेषण/वितरण प्रणाली तथा अन्य अनुमोदित बिजली उपयोगों के लिए केबुल/कन्डक्टर निर्माताओं को दें। यह धातु सरकार द्वारा नहीं ली जाती है।

'हिन्डालको' में जुलाई, 1975 से अपने उत्पादन का निम्नलिखित प्रतिशत 'लेवी धातु' के रूप में दिया है :—

जुलाई 1975–मार्च, 1976 .	51.7
1976–1977 . .	49.2
1977–1978 . .	49.3

कारखानों के प्रबन्ध में मजदूरों को प्रतिनिधित्व

10026. श्री अनन्त राम जायसवाल : क्या संसदीय कार्य तथा श्रम मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकारी क्षेत्र के कारखानों के प्रबन्ध में मजदूरों को प्रतिनिधित्व देने के सरकार के निर्णय को किसी सरकारी कारखाने में 10 अप्रैल, 1978 तक लागू किया गया है ;

(ख) यदि हां, तो ऐसे कारखानों के नाम क्या हैं और उनमें से प्रत्येक कारखाने के प्रबन्धक वर्ग के सदस्यों की संख्या क्या है और प्रबन्ध में श्रमिकों की संख्या और उसका अनुपात क्या है ; और

(ग) उन कारखानों के नाम क्या हैं जिन्होंने अब तक इस निर्णय को लागू नहीं किया है और उसके क्या कारण हैं ?

संसदीय कार्य तथा श्रम मंत्री (श्री रवीन्द्र वर्मा) : (क) नवीनतम उपलब्ध सूचना के अनुसार केन्द्रीय सार्वजनिक क्षेत्र के 143 कारखाने, जिनमें विभागीय उपक्रम भी शामिल हैं, और राज्य सार्वजनिक क्षेत्र के 167 कारखाने उद्योग में श्रमिकों की सहभागिता की अक्तूबर 1975 की स्कीम को शाप फ्लोर तथा प्लांट लेवल पर या तो लागू कर चुके हैं, या उसे लागू करने के लिए कार्यवाही आरम्भ कर चुके हैं। इसके अलावा केन्द्रीय सार्वजनिक क्षेत्र के 57 कारखानों और विभागीय उपक्रमों ने वैकल्पिक व्यवस्थाएं की हैं।

(ख) और (ग). ये ब्यौरे श्रम मंत्रालय के पास उपलब्ध नहीं है।

गुजरात में खानें

10027. श्री अमरसिंह वी० राठवा : क्या इस्पात और खान मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) गुजरात में कितनी खानें हैं और तत्संबंधी ब्यौरा क्या है ;

(ख) उनमें कितने कर्मचारी कार्यरत हैं और उन्हें दी गई सुविधाओं का ब्यौरा क्या है ;

(ग) उनकी श्रमिक संख्या कितनी है और उन्हें कितनी दैनिक मंजूरी दी जा रही है ; और

(घ) उनकी सुरक्षा के लिए क्या प्रबन्ध किए गए हैं और उन्हें दी गई आवास आदि जैसी अन्य सुविधाओं का ब्यौरा क्या है ?

इस्पात और खान मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री करिया मुण्डा) : (क) और (ख). एक विवरण संलग्न है जिसमें जिलावार खानों तथा उनमें कार्यरत कर्मचारियों की संख्या दी गई है। प्रत्येक खान में दी गई सुविधाओं के ब्यौरे के बारे में जानकारी उपलब्ध नहीं है। कुछ खान-मालिकों ने अपने कर्मचारियों के लिए आयुर्वेदिक/एलोपैथिक औषधालय, होली-डे होम आदि की सुविधाएं दे रखी हैं।

(ग) मजदूरों की संख्या संलग्न विवरण में दी गई है। विभिन्न खानों में दैनिक मंजूरी का अन्तर बहुत अधिक है जो सामान्यतः पुरुष मजदूरों